मांग

सड़क नहीं तो आंदोलन : ग्रामीणों ने दी एनएच 30 जाम करने की चेतावनी

किकरिया, ईदल टोला में बदहाल रास्ते से ग्रामीण परेशान

नारायणगंज, नवभारत। जनपद पंचायत नारायणगंज के अंतर्गत आने वाले ग्राम किकरिया ईदल टोला के ग्रामीणों ने सड़क और घाट कटिंग की समस्या को लेकर मोर्चा खोल दिया है। वर्षों से बदहाल रास्ते का दंश झेल रहे ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर और नारायणगंज सीईओ को ज्ञापन सौंपकर एक सप्ताह के भीतर निर्माण कार्य शुरू करने की मांग की है।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि सात दिनों में कार्रवाई नहीं हुई, तो वे नेशनल हाईवे-30 पर चक्का जाम और उग्र प्रदर्शन करेंगे। जिसकी सम्पूर्ण जवाबदारी शासन-प्रशासन की होगी।

200 मीटर का पहाड़ी रास्ता बना मुसीबत

ग्रामीणों द्वारा दिए गए ज्ञापन में बताया गया है कि ग्राम किकरिया (ईदल टोला) से चमरवाह के बीच लगभग 200 मीटर का पहाड़ी घाट अत्यंत खराब स्थिति में है। इस पथरीले और दुर्गम रास्ते के कारण ग्रामीणों का पैदल चलना भी दूभर हो गया है। स्थिति इतनी विकट है कि इस मार्ग से मोटरसाइकिल तक नहीं गुजर पा रही है, जिससे ग्रामवासियों का संपर्क नारायणगंज मुख्यालय से कट जाता है।

इमरजेंसी सेवाओं का पहुंचना नामुमकिन

ग्रामीणों ने पत्र में अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए बताया कि सड़क न होने के कारण गांव में एंबुलेंस या अन्य आपातकालीन सेवाएं नहीं पहुंच पाती हैं। गंभीर रूप से बीमार मरीजों और गर्भवती महिलाओं को अस्पताल ले जाने में जान का जोखिम बना रहता है। ग्रामीणों का आरोप है कि वे पिछले कई वर्षों से इस सड़क के निर्माण की मांग कर रहे हैं, लेकिन प्रशासन की ओर से अब तक केवल आश्वासन ही मिला है। पूर्व में हुआ मरम्मत कार्य भी पूरी तरह ध्वस्त हो चुका है।

ग्रामीणों ने घाट कटिंग और मरम्मत की मांग

नारायणगंज के ग्राम किकरिया ईदल टोला के ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द ग्राम में सीसी रोड का निर्माण किया जाए, इसके साथ ही चमरवाह और ईदल टोला के बीच 200 मीटर पहाड़ी घाट की कटिंग और मरम्मत का कार्य किया जाए। जिससे आपातकालीन सेवाओं के लिए सुगम मार्ग की उपलब्धता हो सके। ज्ञापन सौंपने वालों में भूपेंद्र बर्मन, अनुसुइया, नीलेश बर्मन, सुम्मत लाल, अकल राम, बृजेश कुमार, सुरजीत, अशोक, कविता के साथ ग्राम के अन्य ग्रामवासी शामिल रहे।

ग्रामीणों ने दिया सात दिन का अल्टीमेटम

मंडला कलेक्टर को सौंपे गए ज्ञापन के माध्यम से समस्त ग्रामवासियों ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि एक सप्ताह के भीतर सीसी रोड और घाट कटिंग का निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किया गया, तो वे मजबूरन ग्रामवासियों को एनएच -30 पर धरना प्रदर्शन कर चका जाम किया करेंगे।

चिरईडोंगरी में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत लगी चौपाल

▶ समिति ने की जल स्रोतों के पुनर्जीवन और स्वच्छता की समीक्षा

नारायणगंज। प्रगति जनकल्याण समिति मंडला द्वारा विकासखंड नारायणगंज के सेक्टर चिरईडोंगरी स्थित पीपल आश्रम में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य जल स्त्रोतों का संरक्षण और पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाना था।

कार्यक्रम जिला समन्वयक राजेंद्र चौधरी एवं विकासखंड समन्वयक संतोष कुमार झरिया के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान आयोजित चौपाल में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत अब तक किए गए कार्यों को साझा किया गया। इसके साथ ही विभिन्न समितियों, परामर्शदाताओं और छात्रों द्वारा धरातल पर किए गए कार्यों की विस्तृत समीक्षा भी की गई।

आयोजित की गई प्रमुख गतिविधियां-जल संरक्षण के प्रति जन-भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विविध गतिविधियाँ आयोजित की गईं। जिसमें ग्रामीणों और सदस्यों के बीच जल संवर्धन की योजनाओं पर चर्चा की गई। पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिए नर्सरी परिसर की सफाई की गई। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी सदस्यों को जल बचाने और जल स्त्रोतों को प्रदूषित न करने की शपथ दिलाई गई।

कार्यक्रम में इनकी रही सहभागिता-इस अवसर पर परामर्शदाता राकेश अग्रवाल, सुरेश सोनी, इंद्रा उइके सहित नवांकुर संस्था से कमलेश पावले और अमरनाथ मरकाम उपस्थित रहे। इसके साथ ही कृष्ण कुमार झरिया, परमू सिंह, पार्वती बैरागी और ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष व सचिवों ने सक्रिय भूमिका निभाई। इसके साथ सीएमसीएलडीपी के छात्र रतन सिंह वरकड़े, वेदप्रकाश, मुकेश यादव, सुनील यादव, विनीता, आकांक्षा और राधिका ने भी कार्यक्रम में शामिल होकर जल संवर्धन के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया।

बिंझिया तिराहे पर यात्री सुविधाओं का अभाव

- न प्रतीक्षालय, न शौचालय; महिला यात्री परेशान
- व्यस्ततम सरदार पटेल तिराहे पर सुविधाओं की दरकार
- प्याऊ और वाशरूम की मांग ने पकड़ा जोर

बिंझिया। जिला मुख्यालय से सटे ग्राम बिंझिया का मुख्य तिराहा, जिसे सरदार वल्लभ भाई पटेल तिराहा के नाम से जाना जाता है, वर्तमान में अव्यवस्थाओं का केंद्र बना हुआ है। यातायात की दृष्टि से यह क्षेत्र जिले के सबसे व्यस्ततम इलाकों में से एक है, जहां दिन-रात बसों की आवाजाही बनी रहती है। यात्रियों की भारी संख्या को देखते हुए नगर पालिका परिषद मंडला ने यहां 'अस्थाई बस स्टैंड' का बोर्ड तो लगा दिया है, लेकिन मूलभूत सुविधाएं देना भूल गई है।

अहम पड़ाव होने के बावजूद शून्य सुविधाएं

स्थानीय नागरिक अखिलेश चंद्रौल ने बताया कि मंडला से सिवनी, बालाघाट, छिंदवाड़ा, नागपुर, जबलपुर, भोपाल और इंदौर जैसे बड़े शहरों के लिए बसें इसी तिराहे से होकर गुजरती हैं। सैकड़ों यात्री प्रतिदिन यहाँ से बसों में सवार होते हैं या दूसरे रूट की बसें बदलते हैं। इतनी महत्वपूर्ण लोकेशन होने के बावजूद यहां न तो यात्रियों के बैठने के लिए प्रतीक्षालय है, न ही पीने के पानी के लिए प्याऊ की व्यवस्था।

महिला यात्रियों की बढ़ीं मुश्किलें

सुविधाओं के अभाव में सबसे ज्यादा परेशानी महिला यात्रियों को उठानी पड़ रही है। मूत्रालय (वाशरूम) न होने के कारण लंबी दूरी तय कर आने वाली महिलाओं को भारी असहजता का सामना करना पड़ता है। क्षेत्रीय नागरिकों और यात्रियों का कहना है कि यदि बिंझिया तिराहा पर जल्द से जल्द एक व्यवस्थित प्रतीक्षालय और सर्वसुविधायुक्त महिला वाशरूम का निर्माण कराया जाता है, तो यह आम जनता के लिए बड़ी राहत होगी।

बेटी को दहेज नहीं, शिक्षा और संस्कार दें अभिभावक

▶ सोशल मीडिया क्रिएटर्स ने सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ छेड़ी जंग, ग्रामीण भाषा में बने जागरूकता वीडियो ने मचाई धूम

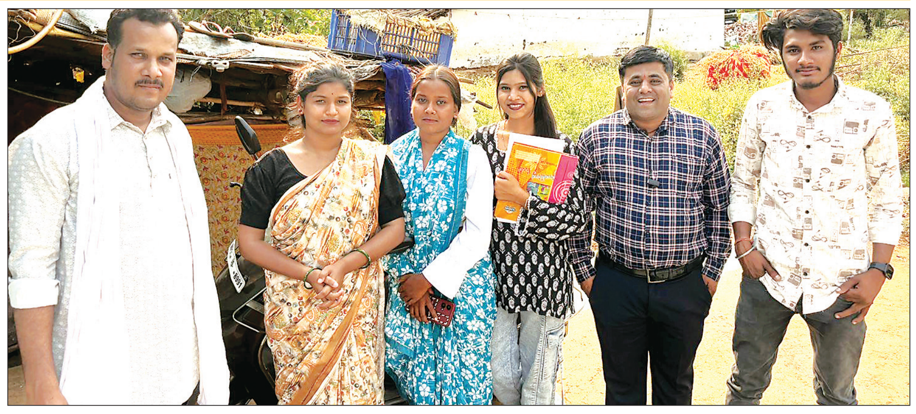

निवास, नवभारत। आज के डिजिटल युग में जहाँ सोशल मीडिया का उपयोग अक्सर मनोरंजन के लिए किया जाता है, वहीं आदिवासी बाहुल्य मंडला जिले के युवाओं ने इसे सामाजिक परिवर्तन का हथियार बनाया है।

जिले के प्रमुख सोशल मीडिया क्रिएटर्स ने एकजुट होकर समाज में गहराई तक जड़ें जमा चुकी बाल विवाह और दहेज प्रथा जैसी कुरीतियों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

रचनात्मकता से सामाजिक चेतना का संचार

सोशल मीडिया क्रिएटर्स के युवाओं ने एक विशेष जागरूकता वीडियो तैयार किया है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में इन कुप्रथाओं के कानूनी और सामाजिक दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को सचेत करना है। इस वीडियो की सबसे बड़ी विशेषता इसकी सरलता और स्थानीय लहजा है। क्रिएटर्स ने ग्रामीण अंचल की भाषा और रोजमर्रा के उदाहरणों का उपयोग किया है, ताकि संदेश सीधे आम जनमानस के दिल तक पहुंच सके।वीडियो में यह मार्मिक अपील की गई है कि बेटियों के हाथों में कम उम्र में चूड़ियां पहनाने के बजाय उन्हें कलम थमाई जाए। दहेज की जगह शिक्षा और संस्कार दें, के मूल मंत्र के साथ यह संदेश दिया गया है कि एक शिक्षित बेटी न केवल अपना भविष्य संवारती है, बल्कि दो परिवारों को भी सशक्त बनाती है।

इन युवाओं का है विशेष योगदान

इस मुहिम को सफल बनाने में जिले के प्रतिभावान युवाओं की टोली ने कड़ी मेहनत की है। इस रचनात्मक टीम में मंडला जिले के सोशल मीडिया क्रिएटर्स सदस्य शामिल हैं। इस दिल को छूने वाली छोटी सी स्टोरी में कलाकार व नेतृत्व करने वाले कलाकार में नितिन देव चौहान, फारुख खान, रोहित प्रशांत चौकसे, रितु सिसोदिया, माही मार्को के साथ कैमरामैन की भूमिका नंदनी, आदित्य और आशीष उईके की है।

स्टोरी के माध्यम से जागरूक करने का प्रयास

वीडियो के माध्यम से लोगों को यह स्पष्ट रूप से समझाया गया है कि बाल विवाह करना और दहेज का लेन-देन करना केवल सामाजिक बुराई ही नहीं, बल्कि गंभीर कानूनी अपराध है। कानून का उल्लंघन करने पर होने वाली सजा और कानूनी कार्रवाई के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई है। स्थानीय प्रशासन और इन क्रिएटर्स ने सामूहिक रूप से जनता से अपील की है कि इस वीडियो को अधिक से अधिक साझा करें। उनका मानना है कि जब यह संदेश हर गांव और हर घर की चौखट तक पहुंचेगा, तभी समाज की सोच में वास्तविक बदलाव आएगा। मंडला के युवाओं की इस पहल की अब चारों ओर सराहना हो रही है। यह प्रयास साबित करता है कि यदि युवा शक्ति सही दिशा में कार्य करे, तो डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से एक जागरूक और बेहतर भारत का निर्माण किया जा सकता है।

लापता युवक की नदी में मिली लाश मगरमच्छ बना रहा था निवाला

पत्नी से विवाद के बाद हुआ था गायब, थाने में दर्ज थी गुमशुदगी

जबलपुर। खमरिया थाना अंतर्गत सोनपुर रोड घाना में रहने वाले एक 25 वर्षीय युवक का शव सोमवार सुबह परियट नदी में उतराता मिला। रोंगटे खड़े कर देने वाली बात यह थी कि जब शव मिला, तब मगरमच्छ उसे अपना निवाला बना रहे थे। पुलिस ने राहगीरों की सूचना पर मौके पर पहुँचकर मगरमच्छ को भगाया और शव को बाहर निकाला गया । फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आ रही है कि मृतक पत्नी से विवाद के बाद गुस्से में घर से निकल गया था और उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में नदी में डूबने से मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार हिमांशु महोबिया पिता स्व. नारायण महोबिया 25 वर्ष का 16 अप्रैल की शाम अपनी पत्नी से किसी बात पर विवाद हुआ था। इसके बाद वह गुस्से में घर से निकल गया। जब वह काफी देर तक वापस नहीं लौटा, तो परिजनों ने पहले तो अपने स्तर पर उसकी तलाश की और जब उसका कहीं कोई सुराग नहीं लगा तो अंततः थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई। खमरिया थाना प्रभारी राजकुमार खटीक के अनुसार पुलिस गुमशदगी दर्ज कर पतासाजी कर रही थी इस बीच सोमवार सुबह साढ़े दस बजे लालपुर के समीप परियट नदी के पास से गुजर रहे राहगीरों ने देखा कि नदी में एक सड़ा-गला शव पड़ा है, जिसे मगरमच्छ नोच रहे हैं। जिसके बाद उन्होंने मामले की सूचना खमरिया पुलिस को दी।

10वीं के छात्र से गुंडा टैक्स की मांग, मना करने पर चाकू से हमला

जबलपुर। रांझी थाना क्षेत्र में शांतिनगर निवासी एक स्कूली छात्र पर दो बदमाशों ने उस वक्त जानलेवा हमला कर दिया, जब उसने रंगदारी देने से मना कर दिया। आरोपियों ने न केवल मारपीट की, बल्कि अपशब्दों का प्रयोग करते हुए छात्र को चाकू मारकर घायल कर दिया। पुलिस ने बताया कि शांतिनगर निवासी 16 वर्षीय हर्षित समन सेंट जोसफ स्कूल में कक्षा 10वीं का छात्र है, बीती रात करीब 11 बजे अपने दो दोस्तों, रौनक यादव और कुणाल शर्मा के साथ करोंदी मरघटाई के पास रेलवे ट्रैक के किनारे बैठकर बातचीत कर रहा था। इसी दौरान मरघटाई निवासी मेहताब अंसारी और शोएल अंसारी वहां पहुंचे। आरोपियों ने दादागिरी दिखाते हुए छात्र से कहा, अगर रांझी में रहना है, तो हमें हर महीने 1,000 रुपये रंगदारी देनी पड़ेगी। जब छात्र हर्षित ने पैसे देने से साफ इनकार कर दिया, तो आरोपी भड़क गए।

कारोबारी को अगवा कर ले गए तहसील कार्यालय, विक्रयनामा लिखवाया

जबलपुर। रांझी थाना अंतर्गत मड़ई में रहने वाले एक बकरी कारोबारी का आरोपियों ने फिल्मी अंदाज में टाटा सफारी से कारोबारी को अगवा किया, मारपीट की और तहसील कार्यालय ले जाकर डरा-धमकाकर उसकी दुकान का विक्रयनामा लिखवा लिया। पुलिस ने मामले में 5 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोपियों ने घाटे की भरपाई के लिए साजिश रची थी।

पुलिस से मिली जानकारी अनुसार मोनू रैकवार (46) निवासी मड़ई बकरी और मुर्गी पालन का कार्य करता है। करीब 7 माह पहले उसने विवेक सतनामी के साथ मझौली के कटाव धाम में एक फार्म हाउस किराए पर लिया था। कारोबार में घाटा होने के बाद विवेक हिसाब करने नहीं आया, बल्कि उसने डराकर संपत्ति हड़पने की योजना बना ली। 19 अप्रैल की शाम जब मोनू फार्म हाउस पर था, तभी अभिषेक घाटे अपने 3 साथियों के साथ टाटा सफारी एमपी 20 के एन 0111 से वहां पहुँचा। मोनू के मना करने के बावजूद आरोपियों ने उसे जबरदस्ती गाड़ी में डाला और मारपीट शुरू कर दी।

मोबाइल छीना, ऑफिस में बंधक बनाकर पीटा

आरोपियों ने सबसे पहले मोनू का मोबाइल छीना ताकि वह किसी को सूचना न दे सके। उसे विवेक सतनामी के बस स्टैंड स्थित ऑफिस ले जाया गया, जहाँ उसे फिर से बेरहमी से पीटा गया। घटना के बाद पीड़ित किसी तरह आरोपियों के चंगुल गल से छूटा और रांझी थाने पहुँचकर आपबीती सुनाई।

उम्र में छोटा नवयुवक भगा ले गया बेटी को

बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने दिये मध्यस्थता के निर्देश

जबलपुर। उम्र में छोटे नवयुवक के द्वारा बेटी को भगाकर ले जाने का आरोप लगाते हुए पिता की तरफ से हाईकोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की गयी थी। याचिका में कहा गया था कि विशेष समुदाय के युवक ने उसकी बेटी का ब्रेन वॉश कर दिया है। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा तथा जस्टिस विनय सराफ की युगल पीठ ने याचिका की सुनवाई करते हुए बेटी तथा परिजनों के बीच कानूनी मध्यास्ता के निर्देश जारी किये है।

सिंगरौली निवासी सरकारी कर्मचारी की तरफ से दायर की गयी बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका में कहा गया था कि उसकी 19 वर्षीय बेटी कॉलेज में पढ़ाई करती थी और फुटबॉल खिलाडी थी। कॉलेज में पढने वाले उससे एक साल छोटा नवयुवक उसे भगाकर ले गया है। उसकी बेटी विगत 13 अप्रैल से गायब है उसके लापता होने की रिपोर्ट संबंधित थाने में दर्ज कराई गई थी।याचिका में कहा गया था कि युवक ने उसकी बेटी का ब्रेन वॉश कर दिया है,जिसके कारण उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। वह परिजनों से बात भी नही करना चाहती है। बेटी का भगाकर ले जाने वाला युवक महज 18 साल का है और आर्थिक रूप से असक्षम है। बेरोजगार होने के कारण वह उसकी बेटी का पालन नहीं कर सकता है। उसका परिवार भी आर्थिक रूप से कमजोर है। कानून तौर भी युवक 21 साल से पहले विवाह नहीं कर सकता है। याचिका में राहत चाही गयी थी कि बेटी को भविष्य को ध्यान में रखते हुए उसे परिजनों के सुपुर्द किया जाये। याचिका की सुनवाई करते हुए युगल पीठ ने अपने आदेश में कहा है कि लडकी तथा परिजनों के बीच कानूनी मध्यास्ता के निर्देश जारी किये है।

राजस्व रिकार्ड में पुन : दर्ज करों आवेदक का नाम

मप्र हाईकोर्ट के जस्टिस संदीप एन भट्ट की एकलपीठ ने ने सीहोर कलेक्टर को निर्देशित किया है वह 14 दिन के भीतर याचिकाकर्ता का नाम राजस्व रिकॉर्ड में पुन- दर्ज करें। सीहोर निवासी राजू उर्फ राजमल विश्वकर्मा की ओर से अधिवक्ता केके पांडेय, सिद्धार्थ एस पांडेय एवं अश्मिता चंद ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि ग्राम बिल्किशगंज स्थित भूमि वर्ष 2001-02 में याचिकाकर्ता को आवंटित की गई थी। इस संबंध में उन्होंने वर्ष 2004 में सिविल न्यायालय में वाद दायर किया था। सिविल कोर्ट ने उनके पक्ष में निर्णय देते हुए उन्हें भूमि पर अधिकार एवं स्थायी निषेधाज्ञा प्रदान की। इसके पश्चात राजस्व अभिलेखों में भी उनका नाम भू-स्वामी के रूप में दर्ज कर लिया गया था। दलील दी गई कि संबंधित नायब तहसीलदार एवं पटवारी द्वारा दुर्भावनापूर्ण तरीके से उनका नाम अभिलेख से हटा दिया गया। इस कार्रवाई के खिलाफ याचिकाकर्ता ने कलेक्टर सीहोर के समक्ष शिकायत प्रस्तुत की। कलेक्टर द्वारा की गई प्रारंभिक जांच में यह पाया गया कि संबंधित अधिकारियों द्वारा अधिकारों का दुरुपयोग किया गया है और अन्य मामलों में भी अनियमितताएं की गई हैं। सुनवाई पश्चात् न्यायालय ने उक्त निर्देश दिये।

सफलता

ऑपरेशन मुस्कान की बड़ी कामयाबी

मंडला पुलिस ने केरल-अहमदाबाद से 5 नाबालिग बालिकाएं सकुशल बरामद की

बिछिया। मंडला पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान के तहत बड़ी सफलता हासिल करते हुए पांच नाबालिक बालिकाओं को सकुशल दस्तयाब कर परिजनों के सुपुर्द किया है। थाना बिछिया एवं थाना मोहगांव क्षेत्र से गुम हुई बालिकाओं के मामले में पुलिस की त्वरित और समन्वित कार्रवाई ने मानवीय संवेदनशीलता और तकनीकी दक्षता का प्रभावी उदाहरण पेश किया।

जानकारी के अनुसार, थाना बिछिया क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों से नाबालिक बालिकाओं के गुम होने की रिपोर्ट पर धारा 137(2) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। परिजनों ने आशंका जताई थी कि अज्ञात लोग बालिकाओं को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गए हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक रजत

सकलेचा के निर्देशन में थाना प्रभारी निरीक्षक रंजीत सिंह सैयाम ने विशेष टीमों का गठन किया।

प्रारंभिक स्तर पर स्थानीय स्तर पर व्यापक तलाश के बावजूद कोई ठोस सुराग नहीं मिलने पर पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों का सहारा लिया। लोकेशन ट्रेस होने के बाद पुलिस टीमों को केरल के इडुक्की और गुजरात के अहमदाबाद रवाना किया गया। यहां पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इडुक्की से तीन और अहमदाबाद से एक नाबालिक बालिका को सुरक्षित बरामद किया।

इसी क्रम में थाना मोहगांव पुलिस टीम ने भी केरल से एक अन्य नाबालिक बालिका को सकुशल दस्तयाब किया। इस तरह कुल पांच नाबालिक बालिकाओं (केरल से चार एवं गुजरात से एक) को सुरक्षित वापस लाया गया।

पुलिस ने सभी आवश्यक वैधानिक प्रक्रियाएं पूरी करने के बाद बालिकाओं को उनके परिजनों को सौंप दिया। यह पूरी कार्रवाई ऑपरेशन मुस्कान अभियान के अंतर्गत की गई, जिसका उद्देश्य गुमशुदा बच्चों की तलाश कर उन्हें सुरक्षित घर तक पहुंचाना है।

सराहनीय भूमिका

इस सफलता में सहायक उपनिरीक्षक सुरेश विजयवार, सहायक उपनिरीक्षक राजेश यादव, आरक्षक गजरूप उद्दे, आरक्षक अजय झारिया एवं साइबर सेल के आरक्षक सूर्यकांत बघेले की विशेष भूमिका रही, जिनकी सतर्कता और टीमवर्क से यह संभव हो सका।

केन्द्रीय जेल में विचाराधीन बंदी ने लगाई फांसी

जबलपुर। केन्द्रीय जेल जबलपुर में विचाराधीन बंदी गुड्डू उर्फ राजा पिता गुलाब विश्वकर्मा ने जेल अस्पताल के वार्ड क्रमांक 3 के शौचालय में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। बंदी द्वारा आत्मघाती कदम किन परिस्थितियों में उठाया इसका फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सका है। मामले से जेल परिसर में हड़कंप मच गया। पूरे मामले की न्यायिक जांच शुरू कर दी गई है। जिसके बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि बंदी द्वारा यह आत्मघाती कदम किन कारणों से उठाया गया । केन्द्रीय जेल जबलपुर उप अधीक्षक मदन कमलेश ने बताया कि विचाराधीन बंदी गुडडू उर्फ राजा पिता गुलाब विश्वकर्मा 60 वर्ष निवासी साई कॉलोनी लक्ष्मीकांत मेमोरियल स्कूल के पास थाना संजीवनीनगर को थाना संजीवनीनगर के अपराध क्रमांक 273/2024, सत्र प्रकरण क्रमांक 511/24 अपराध धारा 140 (1), 103, 238, 61(2) भारतीय न्याय संहिता में राहुल छत्री न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी द्वारा जारी जेल वारंट 16 अगस्त 2024 के पालन में जेल दाखिल कराया गया था।

कार्ड बांटने निकले अधेड़ को पिकअप ने रौंदा, मौत

शादी की खुशियां मातम में बदलीं

जबलपुर। तिलवारा थाना अंतर्गत गढ़ा रेलवे स्टेशन के पास घर में होने वाली शादी के कार्ड बांटने निकले 51 वर्षीय रवि पटेल को एक तेज रफ्तार लोडिंग पिकअप ने जोरदार टक्कर मार दी। अस्पताल में इलाज के दौरान देर रात उन्होंने दम तोड़ दिया। हादसे से परिवार की खुशियां मातम में बदल गई है।

पुलिस से मिली जानकारी अनुसार शारदा मंदिर टेमरभीटा निवासी नितेश पटेल ने बताया कि उनके पिता रवि पटेल अपनी बाइक से भेड़ाघाट की ओर शादी के कार्ड बांटने निकले थे।